(c) the number of employees out of these who draw a salary over Rs. 1,000;

(d) the number of foreigners and the posts against which they are working; and

(e) the total number of foreigners who stayed in this Hotel upto the 31st March, 1959?

The Minister of Works, Housing and Supply (Shri K. C. Reddy): (a) Employed by Government—126

(b) Government employees—Rs. 14,000 (approximately).

(c) None.

(d) None.

(e) 81,166.

Industrial Estate Scheme for Kendrapara

3762. Shri Panigrahi: Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 216 on the 14th February, 1958 and state:

(a) whether the Industrial Estate scheme for Kendrapara has since been sanctioned by the Central Government;

(b) if so, the amount of Central assistance offered therefor; and

(c) whether the proposed estate at Kendrapara has been completed and the sheds are ready for occupation?

The Minister of Commerce and Industry (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) Yes, Sir.

(b) The entire cost of the scheme which is estimated to be Rs. 3·00 lakhs will be advanced by the Central Government as a loan to the State Government.

(c) No, Sir.

दिल्ली में कुटीर तथा लघुउद्योगों के लिये अनुदान

३७६३. **श्री नवल प्रभाकर :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत दिल्ली में कुटीर तथा लघु उद्योगों के लिए अनुदानों की कितनी राशि मंजूर की गई;

(ख) ये कौन-कौन से उद्योग है और इन में से प्रत्येक उद्योग के लिए कितनी-कितनी राशि मंजूर की गई; और

(ग) ये अनुदान किस आधार पर मंजूर किये जाते है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री). (क) और (ख). द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत दिल्ली में जिन जिन उद्योगो के लिए अनुदान की जो धन-राशि मंजूर की गयी, वह इस प्रकार है :—

उद्योग	१९५६–५७ (रु०)	१९५७–५८ (रु०)	१९५८–५९ (रु०)
हस्तकारी उद्योग .	..	२६,१३५	..
लघु उद्योग . .	२०,०००	१,५६,३८७(क)	५,४०,६९२(क)
हथकरघा . . .	२२,५८९	८२,७७५	७१,९३७
†खादी (पुरानी), अम्बर और ग्रामोद्योग . .	५,६८,८४४	८,७९,८३६	११,५४,७५६

(क) केवल शैल्पिक स्वीकृति दी गयी है।

† खादी (पुरानी), अंबर और ग्रामोद्योग के सामने जो आंकड़े दिये गये है, उनमें वह धन भी शामिल है, जो अ० भा० खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड/खादी और ग्रामोद्योग कमीशन ने दिल्ली की संस्थाओं और सोसाइटियो को ३१-१-५९ तक सीधा ही दे दिया था।